समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

मौसम का कहर : नाशिक-मुंबई ट्रेन सेवाएं ठप, गोदावरी नदी का जलस्तर बढ़ने से बढ़ी चिंता

Publisher

Published on 20 Aug 2025

मौसम की मार से नाशिक बेहाल

नाशिक और आसपास के इलाकों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। पिछले 48 घंटों से लगातार जारी वर्षा ने शहर और ग्रामीण इलाकों दोनों को प्रभावित किया है। इस भीषण बारिश का सबसे बड़ा असर यातायात और जलस्तर पर देखने को मिल रहा है। नाशिक-मुंबई रेल मार्ग पर कई ट्रेन सेवाएं बाधित हो चुकी हैं, जबकि गोदावरी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ते हुए खतरे के निशान को छूने लगा है।

रेल सेवाओं पर पड़ा सबसे बड़ा असर

रेलवे अधिकारियों ने जानकारी दी है कि मुंबई से नाशिक और उससे आगे की कई ट्रेनें या तो रद्द की गई हैं या उनके मार्ग में बदलाव किया गया है। पंचवटी एक्सप्रेस, वंदे भारत, जनशताब्दी और नागपुर-सीग्राम एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर घंटों इंतज़ार करना पड़ा।

नाशिक रोड रेलवे स्टेशन पर हजारों यात्री फंसे रहे। हालात को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की मदद के लिए हेल्प डेस्क और अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया है। रेल सेवाओं में अव्यवस्था से दैनिक यात्रियों और ऑफिस जाने वालों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा।

सड़क यातायात पर भी असर

केवल रेल ही नहीं, बल्कि सड़क मार्ग भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मुंबई-आगरा राजमार्ग पर जगह-जगह भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं सामने आईं, जिससे वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। कई ट्रक और निजी वाहन लंबे जाम में फंसे रहे। प्रशासन ने हाईवे पर अलर्ट जारी किया है और यात्रियों से गैर-जरूरी यात्रा टालने की अपील की है।

गोदावरी नदी का बढ़ता जलस्तर

भारी बारिश के चलते नाशिक की जीवनरेखा कही जाने वाली गोदावरी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी का पानी कई जगहों पर किनारे से बाहर आने लगा है। प्रशासन ने संभावित बाढ़ को देखते हुए निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है।

जल संसाधन विभाग के अनुसार, अगर बारिश इसी तरह जारी रही तो गोदावरी और उसकी सहायक नदियों का पानी खतरे के निशान से ऊपर जा सकता है। इस स्थिति में बाढ़ जैसी आपदा से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्रशासन की तैयारियाँ और अलर्ट

नाशिक जिला प्रशासन ने हालात को देखते हुए आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट पर रखा है। NDRF (नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स) की टीमों को भी संभावित राहत-बचाव कार्यों के लिए तैयार रहने के आदेश दिए गए हैं।

स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है और ऑफिसों में भी वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। बिजली आपूर्ति और संचार सेवाओं पर भी असर देखने को मिल रहा है।

स्थानीय जनता की परेशानी

भारी बारिश और यातायात में अव्यवस्था से आम नागरिकों की मुश्किलें कई गुना बढ़ गई हैं। रोजमर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हो चुकी है। जिन लोगों को रोज़ मुंबई-नाशिक के बीच यात्रा करनी होती है, उनके लिए स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई है।

गोदावरी किनारे के इलाके जैसे रामकुंड और पंचवटी क्षेत्र में पानी भरने की खबरें भी सामने आई हैं। कई दुकानों और घरों में बारिश का पानी घुस गया है।

विशेषज्ञों की राय

मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अगले 48 घंटों तक नाशिक और आसपास के जिलों में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि शहरी विकास योजनाओं में जल निकासी की सही व्यवस्था न होने के कारण जलजमाव की समस्या और गंभीर हो जाती है।

पर्यावरणविदों ने भी चेतावनी दी है कि अगर अनियंत्रित शहरीकरण और नदियों के किनारे अतिक्रमण पर रोक नहीं लगाई गई, तो भविष्य में बाढ़ जैसी स्थिति आम हो जाएगी।

निष्कर्ष

नाशिक में जारी बारिश ने शहर और ग्रामीण दोनों इलाकों में बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। रेलवे और सड़क यातायात पर असर, गोदावरी का बढ़ता जलस्तर और आम जनता की बढ़ती मुश्किलें प्रशासन के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हो रही हैं।

आने वाले दिनों में हालात कैसे बदलेंगे, यह पूरी तरह मौसम और प्रशासनिक तैयारियों पर निर्भर करेगा। हालांकि, फिलहाल नाशिक के लोग मौसम की इस मार से जूझ रहे हैं और प्रशासन हालात पर कड़ी नज़र रखे हुए है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.